मयंक के योगदान को साहित्यकारों ने किया याद

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : साहित्य अकादमी ने बुधवार को वरिष्ठ बाल साहित्यकार चंद्रपाल सिंह यादव 'मयंक' की जन्मशती पर विशेष परिसंवाद कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव के भाषण से हुआ। उन्होंने कहा कि मयंक सच्चे बाल साहित्यकार थे, जिन्होंने बच्चों के लिए अनमोल गीत व कविताएं लिखीं।

लेखिका क्षमा शर्मा ने उनकी कहानियों की ईमानदारी और यथार्थपरकता पर प्रकाश डाला, जबकि शकुंतला कालरा ने उनकी कविताओं को नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण बताया। साहित्यकार मयंक की पुत्री उषा यादव ने संस्मरण सुनाकर भावुक माहौल बनाया। ओमप्रकाश कश्यप ने उनकी कथाओं की सहजता और किस्सागोई की विशेषता बताई। योगेंद्र दत्त शर्मा ने उनकी बाल कविताओं में राष्ट्रीय चेतना का उल्लेख किया और सुमन वाजपेयी ने उनके नाटकों व यात्रा वृत्तांतों की चर्चा की। साहित्यकार दिविक रमेश ने कहा कि बाल साहित्य बच्चों का सच्चा मित्र होता है और साहित्यकार मयंक ने इसे समृद्ध किया। कार्यक्रम में जगदीश व्योम, कमलेश भट्ट कमल सहित अनेक बाल साहित्यकार उपस्थित रहे। संचालन उपसचिव देवेंद्र कुमार देवेश ने किया।

साहित्य अकादमी में चंद्रपाल सिंह यादव 'मयंक' जन्मशती परिसंवाद कार्यक्रम में भाग लेते साहित्यकार ओम प्रकाश कश्यप, के श्रीनिवासराव, क्षमा शर्मा, दिविक रमेश, उषा यादव, शकुंतला कालरा व योगेंद्र दत्त शर्मा • सौ आयोजक